युवक की मौत, परिजनों ने लगाया हत्या का आरोप

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 10 जुलाई. शहर के पॉश इलाके सिटी सेंटर को जोड़ने वाले एजी ऑफिस पुल पर गुरुवार

▸ पुलिस को घटनास्थल से एक 'लोडेड देसी कट्टा' बरामद हुआ

रात एक 21 वर्षीय युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतक की पहचान नाका चंद्रवदनी निवासी अभिषेक कटारे के रूप में हुई है, जो एक निजी फर्म में काम करता था। इस घटना ने तब नया मोड़ ले लिया जब पुलिस को घटनास्थल से एक 'लोडेड देसी कट्टा' बरामद हुआ।

क्या है पूरा मामला–मृतक के भाई अविनाश कटारे के अनुसार, परिवार का जमीन को लेकर रिश्तेदारों से पुराना विवाद चल रहा है। गुरुवार को अभिषेक और अविनाश इसी मामले के सिलसिले में कोर्ट गए थे। शाम को घर लौटने के बाद अभिषेक अपने दोस्तों, राहुल वाल्मीकि

और राजेश के साथ बाहर चला गया था। रात करीब 10 बजे राहुल के भाई सचिन का फोन आया और उन्होंने बताया कि अभिषेक का एजी ऑफिस पुल पर एक्सीडेंट हो गया है और किसी अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी है।

पुलिस के अनुसार, टक्कर इतनी जोरदार थी कि अभिषेक काफी दूर तक घिसटता चला गया, जिससे उसके सिर और सीने में गंभीर चोटें आईं।

राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने उसे अस्पताल भेजा, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

फॉरेंसिक जांच में मिला लोडेड कट्टा

मामले की गंभीरता तब और बढ़ गई जब फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल की जांच के दौरान खून के निशानों से कुछ दूरी पर एक लोडेड देसी कट्टा बरामद किया। पुलिस ने इसे जब्त कर लिया है और इस बात की गहन जांच की जा रही है कि यह कट्टा किसका है और घटना स्थल तक कैसे पहुँचा।

इनका कहना है..

फिलहाल अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ लापरवाही से गाड़ी चलाने का मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है। घटनास्थल से मिले अवैध कट्टे की फॉरेंसिक जांच की जा रही है और पता लगाया जा रहा है कि इसका इस घटना से कोई संबंध है या नहीं। परिजनों द्वारा लगाए गए हत्या के आरोपों को गंभीरता से लिया गया है और हर पहलू से जांच की जा रही है। जांच पूरी होने के बाद ही घटना की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

रविंद्र कुमार
थाना प्रभारी विश्वविद्यालय

परिजनों ने किया चक्काजाम

शुक्रवार को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों का गुस्सा फूट पड़ा। उन्होंने इसे महज सड़क हादसा नहीं बल्कि एक 'सुनियोजित हत्या' करार दिया। परिजनों ने नाका चंद्रवदनी क्षेत्र में शव को सड़क पर रखकर चक्काजाम कर दिया। उनकी मांग थी कि पुलिस इसे दुर्घटना के बजाय हत्या का मामला दर्ज कर निष्पक्ष जांच करे। करीब एक घंटे तक चले इस जाम के बाद, वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों द्वारा निष्पक्ष जांच का आश्वासन मिलने पर ही परिजनों ने प्रदर्शन समाप्त किया।

बारिश ने प्रशासन के दावों की खोली पोल, जगह-जगह हो रहा जलभराव

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 10 जुलाई. पिछले कुछ दिनों से शहर में जारी रिमझिम और कभी मूसलाधार बारिश ने प्रशासन के दावों की हवा निकाल दी है। मानसून की शुरुआती फुहारों ने ही प्रशासनिक अमले की तैयारियों की पोल खोलकर रख दी है। स्थिति यह है कि शहर के कई इलाकों में घुटनों

▸ बीमारियों का बढ़ा खतरा लोगों में आक्रोश

तक पानी भर गया है, जिससे आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो चुका है।

हर साल नालों की सफाई और ड्रेनेज सिस्टम को दुरुस्त करने के नाम पर लाखों-करोड़ों रुपए बहाए जाते हैं। लेकिन जमीनी हकीकत यह है कि पहली ही कुछ कड़ियों की बारिश ने पूरे सिस्टम को घुटनों पर ला दिया है। यह जलभराव न सिर्फ आवागमन को प्रभावित कर रहा है, बल्कि शहरवासियों के स्वास्थ्य के लिए भी एक बड़ा खतरा बनता जा रहा है। अब देखना यह होगा कि इस बदइंतजामी पर सो रहा प्रशासनिक अमला कब जागता है और जनता को इस नारकीय स्थिति से कब निजात मिलती है। प्रशासन के इस ढुलमुल रवैये को लेकर स्थानीय निवासियों और समाजसेवियों में भारी आक्रोश है। वहीं इस संबंध में चिकित्सा विशेषज्ञों ने इस स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त की है।

मुख्य सड़कों से लेकर बस्तियों तक जलभराव,

राहगीर बेहाल– शहर मे जलभराव की समस्या सिर्फ निचली या पिछड़ी बस्तियों तक सीमित नही है, वल्कि हर साल की तरह इस बार भी नजारा कुछ और ही है। शहर की मुख्य सड़कों पर भी पानी जमा होने के कारण राहगीरों और वाहन चालकों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। जगह-जगह गाड़ियां बंद हो रही हैं और ट्रैफिक जाम की स्थिति निर्मित हो रही है। यह स्थिति साफ तौर पर नगर निगम की 'वर्षा पूर्व तैयारियों' की नाकामी को बयां कर रही है।

इनका कहना है..

अमले को कोई फर्क नहीं पड़ता

प्रशासन हर बार मानसून से पहले बड़े-बड़े दावे करता है और अपनी डफली खूब बजाता है, लेकिन जरा सी बारिश में ही इनकी पोल खुल जाती है। आम जनता सड़कों पर परेशान हो रही है, लेकिन अफसरों को कोई फर्क नहीं पड़ता। फर्क पड़े भी कैसे, उनके घरों के सामने की सड़कें तो चकाचक हैं!

– राज दंडोतिया, समाजसेवी

गंदा पानी जमा होने से गंभीर बीमारियों का खतरा

यह जलभराव शहर के नागरिकों के लिए बेहद खतरनाक साबित हो सकता है। अगर बारिश का पानी कई दिनों तक एक ही जगह जमा रहेगा, तो उसमें मलेरिया, डेंगू और चिकनगुनिया के मच्छर पनपेंगे। जलभराव के कारण अन्य संक्रामक बीमारियां फैलने की संभावना भी काफी बढ़ जाती है। प्रशासन को तुरंत जल निकासी की व्यवस्था करनी चाहिए।

– डॉ. सिद्धांत दुबे, चिकित्सक

स्मार्ट सिटी एडवायजरी फोरम की बैठक 13 को

ग्वालियर 10 जुलाई. –स्मार्ट सिटी ग्वालियर एडवायजरी फोरम की बैठक 13 जुलाई को सांसद श्री भारत सिंह कुशवाह की मौजूदगी में आयोजित होगी। इस दिन यह बैठक प्रात: 11 बजे बाल भवन के सभागार में बुलाई गई है। बैठक में जनप्रतिनिधिगण, तकनीकी विशेषज्ञ, शहर के विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित संगठनों के पदाधिकारी व प्रबुद्ध गणमान्य नागरिक भाग लेंगे। ग्वालियर स्मार्ट सिटी के सचिव से प्राप्त जानकारी के अनुसार बैठक में सचिन तेंदुलकर मार्ग उन्नयनीकरण, मल्टीलेवल पार्किंग एवं कन्वेंशन सेंटर सहित स्मार्ट सिटी के अन्य कार्यों की समीक्षा की जायेगी। साथ ही स्मार्ट सिटी कंट्रोल कमांड सेंटर की समीक्षा सहित अन्य महत्वपूर्ण विषयों पर भी चर्चा होगी।

डॉ. शिवम शर्मा ने किया मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण

नवभारत न्यूज

ग्वालियर 10 जुलाई. डॉ. शिवम शर्मा ने उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी का कार्यभार ग्रहण किया है। उन्होंने यह पदभार निवर्तमान मुख्य जनसंपर्क अधिकारी श्री शशिकांत त्रिपाठी की मुख्य यातायात योजना प्रबंधक उत्तर मध्य रेलवे के रूप में पदोन्नति के उपरांत ग्रहण किया है।

डॉ शर्मा इससे पहले प्रयागराज मंडल में वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक के पद पर कार्यरत थे। उल्लेखनीय है कि मुख्य जनसंपर्क अधिकारी के रूप में श्री शर्मा की दूसरी पारी है। इससे पूर्व उन्होंने वर्ष 2021-22 के दौरान भी इस पद का दायित्व संभाला था।

डॉ शिवम शर्मा ने इसके पूर्व भी वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक, उप मुख्य दावा अधिकारी एवं मंडल ट्रैफिक

मैनेजर टूंडला जैसे महत्वपूर्ण पदों पर कार्य किया है तथा व्यापक प्रशासनिक अनुभव अर्जित किया है। उप मुख्य दावा अधिकारी के रूप में डॉ शिवम शर्मा ने कार्य करते हुए प्रयागराज में रेलवे दावा अधिकरण की पीठ खुलवाने में महती भूमिका निभाई थी। उनके योगदान के लिए उन्हें अधिकरण की प्रधान पीठ के अध्यक्ष द्वारा सम्मानित किया जा चुका है।

इसी क्रम में उन्होंने प्रतिनियुक्ति पर भारतीय खेल प्राधिकरण में निदेशक पद पर कार्य किया। उन्होंने अपने लगभग तीन वर्ष के कार्यकाल के दौरान राष्ट्रीय खेल संस्थान, पटियाला में निदेशक के रूप में कार्य किया तथा बाद में सोनीपत स्थित उत्तरी क्षेत्रीय केंद्र में क्षेत्रीय निदेशक के रूप में पदोन्नत हुए। इस अवधि में उन्होंने हरियाणा में खेलों के विकास हेतु अनेक महत्वपूर्ण योजनाओं का सफल क्रियान्वयन किया। डॉ. शर्मा वर्ष 2024 में पेरिस ओलंपिक के दौरान भारतीय आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल का भी हिस्सा रहे।

डॉ. शिवम शर्मा भारतीय रेलवे यातायात सेवा के वर्ष 2011 बैच के अधिकारी हैं तथा उन्होंने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से डेंटल सर्जरी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की है। वे उत्तर मध्य रेलवे के ऊर्जावान एवं गतिशील अधिकारियों में गिने जाते हैं।

पति की प्रताड़ना से तंग आकर विवाहिता ने की खुदकुशी

ग्वालियर 10 जुलाई. गिरवाई थाना क्षेत्र के सिकंदर कम्पू इलाके में एक विवाहिता ने फांसी लगाकर अपनी जीवन लीला समाप्त कर ली। पुलिस जांच में खुलासा हुआ है कि मृतका का पति नवीन खटीक उसे लंबे समय से मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित कर रहा था। मृतका आरती खटीक ने पति की इन्हीं प्रताड़नाओं से तंग आकर यह कदम उठाया। पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच के बाद आरोपी पति के खिलाफ आत्महत्या के लिए प्रेरित करने का मामला दर्ज कर लिया है। घटना के बाद से आरोपी फरार है और पुलिस उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है।

रिश्ता तुड़वाया, शादी का झांसा देकर किया दुष्कर्म

ग्वालियर 10 जुलाई.पुरानी छावनी इलाके में एक रिश्तेदार द्वारा शादी का झांसा देकर विवाहिता से दुष्कर्म करने का मामला सामने आया है। आरोपी मंगल सिंह उर्फ विक्की ने महिला को उसके पति से अलग होने के लिए मजबूर किया और शादी का वादा किया। पीड़िता का आरोप है कि पति को सच्चाई पता चलने पर उसने महिला को घर से निकाल दिया। जब महिला ने आरोपी से शादी के लिए कहा, तो वह अपने वादे से मुकर गया और जान से मारने की धमकी देने लगा। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए टीमें रवाना कर दी गई हैं।

स्वच्छता नियमों का पालन अब सबकी जिम्मेदारी

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम, 2026

1 अप्रैल 2026 से लागू

नरेन्द्र मोदी, प्रधानमंत्री

डॉ. मोहन यादव, मुख्यमंत्री

अब घर से ही कचरे का पृथक्करण अनिवार्य

- गीला, सूखा, सैनिटरी, स्पेशल-केयर चार अलग श्रेणियों में कचरा दें, ताकि सही निपटान हो सके।

राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल से पूरी व्यवस्था पारदर्शी

- रजिस्ट्रेशन, रिपोर्टिंग और पब्लिक डैशबोर्ड से अब हर शहर की स्वच्छता प्रगति सबके सामने।

नियम तोड़ने पर पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति एवं दंडात्मक कार्रवाई

- थोक कचरा उत्पादकों (BWG) के लिए नई व्यवस्था।
- ऑन-साइट प्रोसेसिंग करें या अधिकृत व्यवस्था के तहत जिम्मेदारी निभाएं।
- कचरा अलग होगा, तो शहर बेहतर होगा।
- स्वच्छता में सहयोग करें, नए नियमों का पालन करें।

स्वच्छ शहर-स्वस्थ नागरिक-सुरक्षित भविष्य

मध्यप्रदेश जनसम्पर्क द्वारा जारी

D11053/26 आकल्पन : म.प्र. माध्यम/2026

स्वत्वाधिकारी रामगोपाल इन्वेस्टमेंट प्रा. लि. हेतु लेसी एंगेज मीडिया प्रा. लि. के लिये मुद्रक, प्रकाशक आशीष श्रोती द्वारा सिटी सेंटर, ग्वालियर से प्रकाशित एवं नवभारत प्रेस भोपाल प्रा.लि., सिटी सेंटर से मुद्रित. संपादक हरीश दुबे* समाचार संपादक- अनिल शर्मा, फोन-0751-4086200, फैक्स- 2343200 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत जिम्मेदार डाक पंजीयन क्रमांक 507/2008/ग्वा. RNI Reg. No. 62237/95